डाक पंजीयन संख्या- म.प्र./भोपाल/4-231/2023-25,
प्रकाशन प्रति सप्ताह बुधवार, पोस्टिंग प्रति सप्ताह गुरुवार
पता-म.न. 31, सेक्टर-1, शक्तिनगर, भोपाल, पिन-462024
फोन नं.-0755-4289655

MPHIN/2009/27464

साप्ताहिक मंथन दृष्टि

अमृत वचन

सम्पत्ति उस व्यक्ति की होती है जो इसका आनन्द लेता है न कि उस व्यक्ति को जो इसे अपने पास रखता है।

-लोकोक्ति

प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का समावेश

सीता का रोल निभाने के लिए सात्विक हो गई साई पल्लवी? बोलीं-बंद करो..... पेज- 7

वर्ष : 16 अंक : 48 भोपाल: बुधवार, 12 दिसम्बर 2024 से 18 दिसम्बर 2024 पृष्ठ 8, मूल्य 5 रुपए

'इंडिया' ब्लॉक में नेतृत्व परिवर्तन की लड़ाई बंगाल का कल्याणकारी मॉडल गुजरात मॉडल को टक्कर देगा, विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस की स्थिति हुई कमजोर

तो लालू और शरद पवार ने सही भांपा है, अब मोदी बनाम दीदी ही होने वाला है ! ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन का अध्यक्ष बनने की सुगबुगाहट

हरियाणा-महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार के बाद 'इंडिया' गठबंधन में घमासान तेज, 'इंडिया' गठबंधन की अगुवाई कौन करेगा, उठे सवाल

● मंथन संवाददाता

नई दिल्ली। ममता बनर्जी अब इंडिया गठबंधन की अगुवाई कर सकती हैं। बंगाल का कल्याणकारी मॉडल गुजरात मॉडल को टक्कर देगा। भारत के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित नीतीश कुमार लोकसभा चुनावों में मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी के खिलाफ गठबंधन की अगुआई करते तो चुनावों के बाद धर्मनिरपेक्षता और बहुलवाद के नाम पर टीडीपी और बीजेडी इस गठबंधन में शामिल हो जाते और हरियाणा में कांग्रेस को जबरदस्त सत्ता विरोधी लहर के कारण भारी जीत मिलती।

हरियाणा-महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार के बाद 'इंडिया' गठबंधन में घमासान तेज

टीएमसी की ओर से ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का चेहरा बनाने की मांग क्या उठी, सियासी घमासान तेज हो गया। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने ममता बनर्जी को 'इंडिया' ब्लॉक का फेस बनाने के विचार पर सवाल खड़े कर दिए। पूरा मामला टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद के एक बयान से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बड़ा कोई नेता नहीं है। उन्हें इंडिया ब्लॉक का नेता होना चाहिए। आने वाले समय में वह प्रधानमंत्री भी

इंडिया गठबंधन की मुखिया बनेंगी ममता बनर्जी

टूट रही विपक्षी एकता

बनेंगी। टैगोर ने इस सुझाव पर चुटकी लेते हुए कहा कि यह एक अच्छा मजाक है। पूरा मामला 'इंडिया' गठबंधन में नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान का हिस्सा है।

कीर्ति आजाद ने लिया ममता बनर्जी का नाम

टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि ममता बनर्जी के पास बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकदम सही रिकॉर्ड है। जब भी नरेंद्र मोदी को हार का सामना करना पड़ा है तो वह हमेशा पश्चिम बंगाल में ही हुआ है। हाल के उपचुनावों में भी, जहां बीजेपी के पास एक सीट थी और हमारे पास पांच, ममता दीदी ने छक्का मारकर बीजेपी को पश्चिम बंगाल की सीमा से बाहर कर दिया। हर बार बीजेपी की कोशिश ममता बनर्जी को घेरने की होती है। हालांकि, उन्हें झटका लगता है। हर बार टीएमसी की सीटें बढ़ जाती हैं।

बांग्लादेश की स्थिति पर भी कीर्ति आजाद ने रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि अगर भारत सरकार कार्रवाई नहीं करती है, तो संयुक्त राष्ट्र को अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए कदम उठाना चाहिए, चाहे वे कहीं भी हों। ममता बनर्जी सिर्फ एक नेता नहीं हैं बल्कि पश्चिम बंगाल के हर घर में मौजूद एक आंदोलन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ममता सबको साथ लेकर चलती हैं।

कीर्ति आजाद ने कहा कि ममता दीदी ऐसी हैं जो सभी को साथ लेकर चलती हैं। वह लोगों को बैठकों के लिए बुलाने से पहले पूरी तैयारी करती हैं। कई बार इमरजेंसी बैठकें होती हैं, लेकिन वह सुनिश्चित करती हैं कि उनके सभी लोगों को सम्मान के साथ आमंत्रित किया जाए और अपने सहयोगियों के साथ बातचीत करें। टीएमसी, विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है। वह चाहती है कि गठबंधन में उसकी भी सुनी जाए, जबकि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और इसलिए विपक्ष का नेतृत्व करती है।

कांग्रेस पलटवार:

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर का बयान आया है। उन्होंने ममता बनर्जी को विपक्ष का नेता बनाने के विचार को सिरे से खारिज कर दिया है। यह घटनाक्रम 'इंडिया' गठबंधन के भीतर चल रही उठापटक को उजागर करता है। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते नेतृत्व का दावा करती है, जबकि अन्य दल भी अपनी महत्वाकांक्षाएं रखते हैं। -शेष पृष्ठ 2 पर

क्या राहुल गांधी से दूरी बनाने लगे हैं इंडिया गठबंधन के साथी दल?

लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद मॉनसून सत्र में जहां पूरा विपक्ष एकजुट दिखाई दे रहा था वहीं शीतकालीन सत्र आते मानो विपक्षी एकता की गर्माहट गायब हो गई। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में हार के बाद कांग्रेस पर सबसे बड़ा अटैक टीएमसी की ओर से किया जाता है। टीएमसी की ओर से कहा गया कि अब वक्त आ गया कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की अगुवाई करनी चाहिए। इतना ही नहीं अडानी मुद्दे पर जहां कांग्रेस ने मोर्चा खोला तो वहीं टीएमसी पीछे हटते हुए दिखी। कांग्रेस को टीएमसी का बिल्कुल भी साथ नहीं मिला। ममता बनर्जी ने हाल ही में इंडिया गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया और मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे का संकेत भी दिया।

शरद, लालू कर रहे ममता का समर्थन:

राहुल गांधी को अन्य इंडिया ब्लॉक की पार्टियों, खासकर राजद, सपा और एनसीपी का सम्मान प्राप्त है। इस पद के लिए मौजूदा इंडिया ब्लॉक के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मुकाबले शरद पवार और लालू यादव जैसे दिग्गज भी उनका समर्थन कर रहे हैं।

समाजवादी पार्टी को रास नहीं आ रहा कांग्रेस का स्टैंड

अडानी मुद्दे को जहां कांग्रेस की ओर से उठाया जा रहा है वहीं समाजवादी पार्टी खुलकर इस मुद्दे पर उसके साथ खड़ी नहीं दिख रही है। कांग्रेस सांसदों के विरोध प्रदर्शन में भी सपा के सांसद नजर नहीं आए। यूपी उपचुनाव में ही दोनों के बीच कड़वाहट देखने को मिली भले ही खुलकर किसी भी दल की ओर से कुछ नहीं बोला गया। वहीं अब संभल मुद्दे पर सपा को कांग्रेस का स्टैंड बिल्कुल भी रास नहीं आया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के संभल जाने की कोशिश सपा को रास नहीं आई।

मंथन दृष्टि

पृष्ठ 2 एक वर्ष का लेखा-जोखा — सीएम के 1 साल की रिपोर्ट कार्ड पर नेता प्रतिपक्ष का तंज...
पृष्ठ 3 धर्म और आध्यात्म — नारद जी वस्तुत: सही मायनों में देवर्षि हैं
पृष्ठ 4 किसानों की सक्सेस स्टोरी मंथन — अमरूद की बागवानी से सफलता का राज, किसान शिवराम श्रवण...
पृष्ठ 5 कृषि मंथन — काजू की खेती से करें बंपर कमाई, हर समय...
पृष्ठ 6 देश-विदेश — बांग्लादेश छीन लेगा भारत से ये बड़ी ताकत! अगर...
पृष्ठ 7 अनोखी खबरें — नेपाल में दिखा सुनहरे रंग वाला अनोखा कछुआ
पृष्ठ 8 ख़ास साप्ताहिक फोटो — आइजोल में स्थित ओम मंदिर अपनी संरचना और स्थापत्य...

अयोध्या फैसले पर जस्टिस नरीमन ने खड़े किए थे सवाल, अब पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने दिया ये जवाब

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने अयोध्या फैसले पर उठ रहे सवालों का खुलकर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के कई आलोचक है, लेकिन उन्होंने 1000 पन्नों के फैसले को पूरा नहीं पढ़ा है। उन्होंने कहा कि ये फैसला केवल तथ्यों पर आधारित था।

पूर्व सीजेआई ने जस्टिस रोहिंगटन नरीमन के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने अयोध्या के फैसले को न्याय का मजाक बताया था। पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि फैसला सबूतों के विस्तृत विश्लेषण पर आधारित था और अब इस पर कुछ और दावा करना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। डीवाई चंद्रचूड़ ने आगे जस्टिस रोहिंगटन नरीमन की उन टिप्पणियों का जवाब भी दिया जिसमें कहा गया था कि फैसले में धर्मनिरपेक्षता को जगह नहीं दी गई है। चंद्रचूड़ ने कहा कि मैं इस फैसले का एक पक्ष था और अब इसकी आचोलना करना या पक्ष लेना मेरा काम नहीं है। अब ये फैसला सार्वजनिक संपत्ति है और इस पर दूसरे ही बात करेंगे। न्यायमूर्ति नरीमन के बयान का जवाब देते हुए डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वो एक स्वतंत्र देश के नागरिक हैं और उनकी आलोचना इस बात का समर्थन करती है कि धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत भारत में जीवित हैं, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता के महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक अंतरात्मा की स्वतंत्रता है। सीजेआई ने आगे कहा कि हमारे देश में कई ऐसे लोग है जो अपने अंदर के विचारों को सबके सामने रखते हैं। ये याद दिलाता है कि देश में धर्मनिरपेक्षता जीवित है। मैं अब अपने फैसले का बचाव नहीं करना चाहता, क्योंकि मैं ऐसा नहीं कर सकता। हमने पांच जजों ने इस केस पर फैसला दिया है और तर्क भी दिया है।

'भारत के पास बहुत कम समय है', विश्व बैंक की चेतावनी; कहा- 75 साल में अमेरिका...

वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा होने की कोशिश में जुटे भारत को विश्व बैंक ने कड़वी घूंट दे दी है। विश्व बैंक का कहना है कि विकसित देश बनने के लिए भारत के पास बहुत कम समय है और इस दौरान उसे कई बड़े सुधारों को अंजाम देना होगा। अगर भारत ऐसा नहीं कर पाता है तो उसे अमेरिका की मौजूदा इकोनॉमी के एक चौथाई बनने में ही 75 वर्ष लग जाएंगे। हालांकि यह टिप्पणी विशेष तौर पर प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में है। निवेश बढ़ाने और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी अकुशलता व अक्षमता को विकसित देश बनने की राह में दो सबसे अहम काम के तौर पर चिन्हित करते हुए विश्व बैंक ने यह भी कहा है कि भारत लगातार एक कम आय वाले वर्ग वाले समूह में शामिल है, जबकि विगत 34 वर्षों में 34 देशों ने मध्य आय वाले वर्ग से उच्च आय वाले वर्ग में अपनी जगह बना ली है।

कम आय वाले देशों के लिए बढ़ी चुनौतियां

विश्व बैंक के चीफ इकोनॉमिस्ट इंद्रमीत गिल ने अपनी एक रिपोर्ट उद्योग चैंबर सीआईआई के ग्लोबल इकोनॉमिक पॉलिसी फोरम कार्यक्रम में पेश की। गिल ने अपनी प्रजेंटेशन में बताया कि पिछले दो-ढ़ाई दशकों का डाटा बताता है कि कम आय वाले देशों के लिए आर्थिक प्रगति करना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। भू-राजनैतिक तनाव लगातार बढ़ रहा है, कोराबार के संरक्षण को लेकर विकसित देशों का रवैया कड़ा होता जा रहा है, नीतिगत अस्थिरता है, ब्याज दरें ज्यादा है, प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा हो रही हैं।

'हम न झुकेंगे, न दबेंगे, विपक्ष की आवाज का गला घोटना बन गया है नियम', खरगे का सभापति धनखड़ पर निशाना

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान हो रहे हंगामे के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि लोकतंत्र हमेशा दो पहियों पर चलता है। उन्होंने कहा, 'एक पहिया है सत्तापक्ष और दूसरा विपक्ष। दोनों की जरूरत होती है। सांसदों के विचारों को तो देश तब ही सुनता है जब हाउस चलता है।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर खरगे ने कहा, '16 मई 1952 को सभापति के रूप में राज्य सभा में पहले सभापति डॉ राधाकृष्णन जी ने सांसदों से कहा था कि मैं किसी भी पार्टी से नहीं हूं और इसका मतलब है कि मैं सदन में हर पार्टी से हूं। यह निष्पक्षता की परंपरा आपके कार्यकाल (सभापति जगदीप धनखड़) में पूरी तरह खंडित हो गयी। आज विपक्ष की आवाज़ का गला घोटना अब राज्य सभा में संसदीय प्रक्रिया का नियम बन गया है।' कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा, संसद की मर्यादाओं और नैतिकता आधारित परंपराओं का हनन अब राज्य सभा में दिनचर्या बन गई है।

✓ हमारा ''मंथन दृष्टि'' साप्ताहिक समाचार पत्र समूची दुनिया में रह रहे हिंदी भाषी भारतीयों के लिए अभी On-line पढ़ने के लिए निःशुल्क (फ्री) उपलब्ध है। इस E-paper को पढ़ने के लिए www.manthandrishti.com पर जाएं।